Semester - I

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: DSC-I

Course Title: कथा साहित्य

Course Code: 101HIN1101

Credits: 04 **Max. Marks:100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. कहानी साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी कहानी के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. कहानी जैसे विधा द्वारा रंगमंच से जुड़कर आत्माभिव्यक्ति कराना.

LO 4. कहानी के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना.

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

CO 1. छात्र कहानी साहित्य से अवगत होगा.

CO 2. छात्र विविध कहानियों द्वारा समाज के अंग से परिचित होगा.

CO 3. छात्र कहानियों के पात्रों द्वारा विविध चरित्र से अवगत होगा.

CO 4. छात्र समाज में पनपनेवाली कुरीतियों से कहानियों द्वारा परिचित होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**कहानी का उद्भव, विकास एवं तत्व**	**15**
	१. कहानी का उद्भव तथा विकास २. कहानी के तत्व	
	Unit Outcomes: UO 1. हिंदी कहानी विधा के ऐतिहासिक विकास का परिचय होगा. कहानी के तत्वों से छात्र अवगत होगा.	
II	**कहानियाँ**	**12**
	१. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी २. कफ़न– प्रेमचंद ३. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद	
	Unit Outcome: UO 1. कहानियों के माध्यम से मानवी मूल्यों का विकास होगा. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों में सवेंदना सजग होगी.	
III	**कहानियाँ**	**18**

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	१. मारे गए गुलफ़ाम – फनीश्वरनाथ रेणु २. मलबे का मालिक – मोहन राकेश ३. चीफ़ की दावत – भीष्म साहनी	
	Unit Outcomes: UO 1. कहानियों के माध्यम से मार्क्सवादी दृष्टिकोण विकसित होगा. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों स्त्रीवादी दृष्टिकोण विकसित होगा.	
IV	**कहानियाँ**	**15**
	१. खेल – जैनेंद्र कुमार २. शवयात्रा – ओमप्रकाश वाल्मीकि ३. हत्या – बरखा शर्मा	
	Unit Outcomes: UO 1. कहानियों के माध्यम से मनोविश्लेषणवादी दृष्टि विकसित होगी. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों को आंचलिकता समझ में आएगी.	

Learning Resources:

1. कहानी : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, १९६८
2. आधुनिक हिंदी कहानी – डॉ. गंगाप्रसाद विमल, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि. अलीगढ़ , १९७८
3. आधुनिक कहानी साहित्य और चरित्र विकास – डॉ. बेचन, सन्मार्ग प्रकाशन दिल्ली, १९६५
4. अस्तित्ववाद और नई कहानी – डॉ. लालचंद, शोध प्रकाशन दिल्ली, १९७५
5. कहानी : नई कहानी – नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद, १९८२
6. नई कहानी : प्रकृति और पाठ – श्री. सुरेन्द्र, परिवेश प्रकाशन, १९६८
7. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और चरित्र विकास- डॉ. बेचन, १९६५
8. साहित्य सरिता – जोगेंद्रसिंह बिसेन, ओरिएंट लोंगमैन प्रा. लि. दिल्ली, २००८
9. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन इलाहाबाद, २०११
10. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपालराय, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, २०११
11. चंद्रधर शर्मा गुलेरी की चर्चित कहानियाँ – संपा. पीयूष गुलेरी, प्रत्युष गुलेरी, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया,नई दिल्ली, २००८
12. जैनेंद्र कुमार की कहानियाँ – संपा. प्रदीपकुमार, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, २००८
13. नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ – संपा. मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, २००८
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियाँ – संपा. कमलेश्वर, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, २००५

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
तमसो मा ज्योतिर्गमय
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: DSC-II

Course Title: नाटक तथा एकांकी

Course Code: 101HIN1102

Credits: 04 **Max. Marks:100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives

LO 1. नाटक साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी नाटक के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. नाटक जैसे विधा द्वारा रंगमंच से जुड़कर आत्माभिव्यक्ति कराना.

LO 4. नाटक के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना.

Course outcomes

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र हिंदी नाटक विधा से अवगत होंगे.

CO 2. छात्र नाटक विधा द्वारा समाज के अंग से परिचित होंगे.

CO 3. छात्र नाटक के पात्रों द्वारा विविध चरित्र से अवगत होंगे.

CO 4. छात्र समाज में पनपनेवाली कुरीतियों से नाटकों द्वारा परिचित होंगे.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**नाटक का उद्भव, विकास एवं तत्व**	15
	१. नाटक का उद्भव तथा विकास २. नाटक के तत्व	
	Unit Outcome: UO 1. हिंदी नाटक विधा के ऐतिहासिक विकास का परिचय होगा. UO 2. नाटक के तत्वों से छात्र अवगत होगा.	
II	**नाटक**	12
	१.जिस लाहोर नई देख्या उत जमाई नई - असग़र वजाहत	
	Unit Outcome: UO 1. नाटक के माध्यम से छात्र विभाजन की त्रासदी से अवगत होंगे. UO 2. नाटक के माध्यम से छात्रों में मानवीय सवेंदना सजग होगी.	
III	**एकांकियाँ**	18
	१.पृथ्वीराज की आँखे – डॉ. रामकुमार वर्मा २.नए मेहमान – उदयशंकर भट्ट	

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	Unit Outcomes: UO 1. एकांकी के माध्यम से छात्रों पृथ्वीराज की वीरता का पता चलेगा. UO 2. एकांकी के माध्यम से छात्रों आधुनिक दृष्टिकोण विकसित होगा.	
IV	**एकांकियाँ**	**15**
	१. शहादत – रंगनाथ तिवारी २. बहु की बिदा –विनोद रस्तोगी	
	Unit Outcome: UO 1. एकांकी के माध्यम से वीरता का भाव जागृत होगा. UO 2. एकांकी के माध्यम से छात्रों को आंचलिकता समझ में आएगी.	

Learning Resources:

1. हिंदी नाटक स्वरूप और संवेदना - डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली,1977
2. हिंदी साहित्य का साहित्य – डॉ. श्रीनिवास शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2004
3. हिंदी नाटक विमर्श – डॉ. जया परजंपे ,अतुल प्रकाशन, कानपूर, 2001
4. सा ठ्ठोतरी हिंदी नाताकों में चित्रित यथार्थ – डॉ. गोरखनाथ माने साहित्य सागर, कानपूर , 2008
5. हिंदी भाषा साहित्य और आलोचना – डॉ. लक्ष्मी कान्त पांडे, द्यनोदय प्रकाशन, कानपूर, 1999
6. संस्कृत और हिंदी नाटक – डॉ. जय कुमार, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1996
7. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह ,जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, विकास प्रकाशन ,कानपूर, 2002
9. आठ एकांकियां – डॉ. माधव सोनटक्के – लोकभारती प्रकाशन ,इलाहबाद , २०१२
10. हिंदी साहित्य का इतिहास –डॉ.नगेन्द्र, मयूर पेपर बैंक, नोयड़ा, 1975
11. जिस लाहोर नई देख्या उत जमाई नई - असग़र वजाहत, 2001

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: VSC-I

Course Title: व्यावहारिक हिंदी भाग १

Course Code: 101HIN1501

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. छात्रों को हिंदी विषय से अवगत करवाना.
LO 2. छात्रों को संवैधानिक हिंदी से परिचय करवाना.
LO 3. हिंदी के महत्त्व को विशद करना.
LO 4. हिंदी के विस्तार को समझाना.

Course Outcomes:

After completion of course the student will be able to-
CO 1. छात्र हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत होगा.
CO 2. छात्र हिंदी के बढ़ते महत्त्व से परिचित होगा.
CO 3. छात्र जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से अवगत होगा.
CO 4. छात्र विज्ञापनों में हिंदी के प्रयोग से अवगत होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**संविधान में हिंदी और हिंदी का महत्त्व**	**07**
	१. संविधान में हिंदी २. हिंदी का महत्त्व	
	Unit Outcomes: UO 1. हिंदी की संवैधानिक स्थिति का परिचय होगा. UO 2. आज के समय में छात्र हिंदी के महत्त्व से अवगत होगा.	
II	**जनसंचार माध्यमों में हिंदी**	**08**
	१. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में हिंदी २. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में हिंदी	
	Unit Outcomes: UO 1. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से छात्र अवगत होगा. UO 2. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से छात्र अवगत होगा.	

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Latur (Autonomous)

III	**विज्ञापनों में हिंदी**	**07**
	१. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन २. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन	
	Unit Outcomes: UO. 1 मुद्रित जनसंचार माध्यमों में विज्ञापनों के प्रयोग से छात्र अवगत होंगे. UO. 2 दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में विज्ञापनों के प्रयोग से छात्र अवगत होंगे.	
IV	**व्यंग्य रचनाएँ**	**08**
	१. इमानदारों के संमेलन में – हरिशंकर परसाई २. उस देश का यारों क्या कहना – मनोहर श्याम जोशी	
	UO. 1 व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों से अवगत होंगे. UO. 2 व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से सृजनात्मक दृष्टि का विकास होगा.	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और व्यवहार)-रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,१९६८
2. प्रयोग और प्रयोग – वी .रा, जगनाथन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली,२००३
3. व्यवहारमुलक पाठ्यक्रम ,इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली १९६८
4. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ. भोलानाथ तिवारी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा ,मद्रास
5. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और प्रयोग) – डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,१९९९३
6. हिंदी के वाक्य–साँचे – डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा, सत्साहित्य सदन, आगरा,२००३
7. श्रेष्ठ हास्य व्यंग्य – काका हाथरसी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ,१९७८
8. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ,१९८७
9. प्रयोजन मूलक हिंदी के आधुनिक आयाम – डॉ. महेंद्र सिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा, २००३

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
॥ आरोह तमसो ज्योतिः ॥
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Semester - II

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: DSC-III

Course Title: उपन्यास साहित्य

Course Code: 101HIN2101

Credits: 04 **Max. Marks:100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. उपन्यास साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी उपन्यास के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. उपन्यास जैसे विधा द्वारा रंगमंच से जुड़कर आत्माभिव्यक्ति कराना.

LO 4. उपन्यास के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना

Course Outcomes:

After completion of the course, students will be able to-

CO 1. छात्र उपन्यास साहित्य से अवगत होगा.

CO 2. छात्र विविध उपन्यास द्वारा समाज के अंग से परिचित होगा.

CO 3. छात्र उपन्यास के पात्रों द्वारा विविध चरित्र से अवगत होगा.

CO 4 .छात्र समाज में पनपनेवाली कुरीतियों से उपन्यास द्वारा परिचित होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**उपन्यास**	**10**
	१ उपन्यास का उद्भव तथा विकास	
	Unit Outcomes: UO 1. हिंदी उपन्यास विधा के ऐतिहासिक विकास का परिचय होगा.	
II	**उपन्यास**	**20**
	१ झुला नट – मैत्रीय पुष्पा	
	Unit Outcome: UO 1.उपन्यास के माध्यम से स्त्री मूल्यों का विकास होगा. UO 2.उपन्यास के माध्यम से छात्रों में सवेंदना सजग होगी.	
III	**उपन्यास के तत्व**	**10**

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	१. उपन्यास के तत्व	
	Unit Outcomes: UO 1.उपन्यास के तत्व दृष्टिकोण विकसित होगा. UO 2.उपन्यास लेखन कौशल विकसित होगा.	
IV	**उपन्यास**	**20**
	१. रेहन पर रग्गु – उपन्यास – काशीनाथ सिह	
	Unit Outcomes: UO 1.भूमंडलीकरण की वास्तविकताओं से छात्र परिचित होंगे. UO 2.आधुनिकता में गॉव, खेती तथा किसानों की स्थितियों से छात्र अवगत होंगे.	

Learning Resources:

1. उपन्यासों में नारी – शै.रस्तोगी , वी. भू ,प्रकाशन , साहिबाबाद
2. हिंदी उपन्यास कला – डॉ. रामलखन लाल , सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली .
3. स्वातंत्रोत्तर हिंदी उपन्यास – डॉ. सुभाषिनी शर्मा , संजीव प्रकाशन , नयी दिल्ली .
4. उपन्यास सिद्धांत और संरचना – रविन्द्र कुमार जैन नेशनल पब्लिकेशन हाउस ,दिल्ली .
5. हिंदी उपन्यास प्रयोग के चरण – राजमल बोरा नमिता प्रकाशन औरंगाबाद.
6. आधुनिक हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास – डॉ. बैचैन ,सन्मार्ग प्रकाशन ,नयी दिल्ली .
7. स्वातंत्रोत्तर हिंदी उपन्यास – काँती वर्मा , सम्चंद एंड कंपनी , दिल्ली .
8. हिंदी उपन्यासों में नारी का मनोविज्ञानिक विश्लेषण – डॉ. विमल सहस्त्रबुद्धे .पुस्तक संसथान ,कानपूर .
9. हिंदी उपन्यास प्रेम और जीवन – डॉ. शांति भरद्वाज , सुशिल प्रकाशन अजमेर .
10. आज का हिदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदन ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली
11. झुला नट – मैत्रीय पुष्प , राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
12. रेहन पर राग्गु – काशिनाथ सिह ,प्रगती प्रकाशन ,दिल्ली

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: DSC-IV

Course Title: आत्मकथा एवं जीवनी

Course Code: 101HIN2102

Credits: 04 **Max. Marks:100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives

LO 1. आत्मकथा साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी आत्मकथा तथा जीवनी के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. आत्मकथा तथा जीवनी जैसे विधा द्वारा लेखको के जीवन से परिचित होना.

LO 4. आत्मकथा के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना.

Course outcomes

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र हिंदी आत्मकथा तथा जीवनी विधा से अवगत होंगे.

CO 2. छात्र आत्मकथा तथा जीवनी विधा द्वारा समाज के अंग से परिचित होंगे.

CO 3. छात्र आत्मकथा के पात्रों द्वारा लेखक चरित्र से अवगत होंगे .

CO 4. छात्र लेखक का जीवन तथा उनके लेखन पर उसका प्रभाव इससे अवगत होंगे

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**आत्मकथा**	**15**
	१. आत्मकथा का सामान्य परिचय २. आत्मकथा के तत्व	
	Unit Outcome: UO 1. हिंदी आत्मकथा से छात्र परिचित होंगे. UO 2. हिंदी आत्मकथा के तत्वों से परिचित होंगे	
II	**आत्मकथा**	**18**
	१.एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी	
	Unit Outcome: UO 1.आत्मकथा द्वारा स्त्री लेखिका के जीवन से अवगत होंगे. UO 2.आत्मकथा के माध्यम से छात्रों में मानवीय सवेंदना सजग होगी.	
III	**जीवनी का सामान्य परिचय**	**12**
	१ कलम का सिपाही – अमृतराय २ यादगारे जीजी – बीबा सोबती \	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	Unit Outcomes: UO1. जीवनी अंश द्वारा महँ लेखक प्रेमचंद के जीवन से अवगत होंगे. UO2. संस्मरणात्मक विधाओ के माध्यम से छात्रों आधुनिक दृष्टिकोण.	
IV	**जीवनी अंश**	**15**
	१. जीवनी के तत्व २. नीरज को बुलाया जाये – पंकज चतुर्वेदी	
	Unit Outcome: UO1. जीवनी के माध्यम से गीतकार नीरज को समझने का प्रयास होगा . UO2. जीवनी के माध्यम से छात्रों को आंचलिकता समझ में आएगी.	

Learning Resources:

1. एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी ,राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली .
2. हंस त्रैमासिक पत्रिका – संजय सहाय राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
3. करावा आगे बढे – कन्हैय्यालाल मिश्र ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
4. समकालीन भारतीय साहित्य त्रैमासिक पत्रिका – दिल्ली
5. आलोचना त्रैमासिक पत्रिका ,दिल्ली
6. २१ सदी के हिंदी के हिंदी संस्मरणों का अनुशीलन – डॉ .संगीता सिह शैलजा प्रकाशन ,कानपूर
7. भारतीय जनजागरण और प्रेमचंद के उपन्यास – डॉ. सत्यवती मित्तल ,प्रकाशन संसथान ,दिल्ली
8. मन्नू भंडारी का उपन्यास साहित्य – नंदिनी मिश्र ज, हिंदी साहित्य भंडार ,लखनऊ
9. मन्नू भंडारी का कथा साहित्य – सारिका अग्रवाल , विकास प्रकाशन ,कानपूर
10. गद्य गौरव – डॉ. हरिचरण शर्मा , श्याम प्रकाशन ,जयपुर

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
तमसो मा ज्योतिर्गमय
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA I (Sem - I)

Course Type: VSC- II

Course Title: व्यावहारिक हिंदी भाग २

Course Code: 101HIN2501

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. छात्रों को हिंदी विषय से अवगत करवाना..

LO 2. छात्रों को कहावतों एवं मुहावरों से परिचय करवाना.

LO 3. हिंदी के देवनागरी लिपि के महत्त्व को विशद करना.

LO 4. हिंदी के विस्तार को समझाना

Course Outcomes:

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र हिंदी की कहावतों एवं मुहावरों से अवगत होंगे.

CO 2. छात्र हिंदी के बढ़ते महत्त्व से परिचित होंगे.

CO 3. छात्र देवनागरी लिपि माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से अवगत होंगे.

CO 4. छात्रों पल्लवन से परिचित होंगे.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**हिंदी मुहावरे और लोकोक्तिया**	**08**
	१. हिंदी मुहावरे २. हिंदी लोकोक्तिया	
	Unit Outcomes: UO1. छात्र हिंदी मुहावरों से अवगत होंगे. UO2. छात्र हिंदी लोकोक्तियों से परिचित होंगे.	
II	**देवनागरी लिपि**	**12**
	१. देवनागरी लिपि का नामकरण , उद्भव एवं विकास २. देवनागरी लिपि के गुण दोष	
	Unit Outcomes: UO 1. छात्र देवनागरी लिपि जैसी पुरानी लिपि से परिचित होंगे UO 2. छात्र देवनागरी लिपि के गुण – दोषों से अवगत होंगे.	

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

III	पल्लवन	10
	१. पल्लवन की परिभाषा २. पल्लवन की विशेषताए ३. पल्लवन के आदर्श उदहारण	
	Unit Outcomes: UO. 1 छात्र पल्लवन जैसी महत्वपूर्ण विधा से परिचित होंगे. UO. 2 छात्र पल्लवन के उदहारण समझ सकेंगे .	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और व्यवहार)-रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रयोग और प्रयोग – वी .रा, जग्गनाथन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
3. व्यवहारमुलक पाठ्यक्रम ,इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ. भोलानाथ तिवारी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा ,मद्रास
5. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और प्रयोग) – डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी के वाक्य–साँचे – डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा, सत्साहित्य सदन, आगरा
7. श्रेष्ठ हास्य व्यंग्य – काका हाथरसी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रयोजन मूलक हिंदी के आधुनिक आयाम – डॉ. महेंद्र सिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा
10. व्यावहारिक हिंदी डॉ. माधव सोनटक्के, जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)